

M.A. (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-III
03MAPAJC4.3 / S3MAPALIEX04.3 Elective 226-3 - Anupitak Sahitya
Ashok Shilalekh

P. Pages : 4

Time : Three Hours



GUG/W/24/15569

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे अनिवार्य आहे.
सभी सवालॉ के जवाब लिखना अनिवार्य है।
2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. 16
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।
- 1) देवानंपिये पियदसि राजा एवं आह।
 - 2) अतिक्रातं अंतरं न भूतप्रुव सव ----- ल अथकंमे व पटिवेदना वा।
 - 3) तं मया एवं कतं।
 - 4) सवे काले भुंजमानस मे ओरोधनम्हि गथागारम्हि वचम्हि व विनीतम्हि च उयानेसु च सवत्र पटिवेदका स्टिता अथे मे जनस पटिवेदेथ इति।
 - 5) सर्वत्र च जनस अथे करोमि।
 - 6) य च किंचि मुखतो आत्रपयामि स्वयं दापकं वा सावापकं वा य वा पुन महामात्रेसु आचायिके अरोपितं भवति ताय अथाय विवादो निझती व संतो परिसायं आनंतरं पटिवेदेतव्यं मे सर्वत्र सर्वे काले।
 - 7) एवं मया आत्रपितं।
 - 8) नास्ति हि मे तोसो उस्तानम्हि अथसंतीरणाय व।
 - 9) कतव्यमते हि मे सर्वलोकहितं
 - 10) तस च पुन एस मूले उस्तानं च अथसंतीरणा च।
 - 11) नास्ति हि कमतर सर्वलोकहितत्पा।
 - 12) य च किंचि पराक्रमामि अहं किंति भूतानं आनणं गछेयं इध च नानि सुखापयामि परत्रा च स्वगं आराधयंतु त।
 - 13) एताय अथाय अयं धंमलिपी लेखापिता किंति चिरं तिस्टेय इति तथा च मे पुत्रा पोता च प्रपोत्रा च अनुवतरं सवलोकहिताय।

14) दुकरं तु इदं अञ्जत्र अगेन पराक्रमेन।

1) देवानंपियो पियदसि राजा सर्वत इच्छति सवे पासंडा वसेयु।

2) सवे ते सयमं च भावसुधिं च इच्छति।

3) जनो तु उचावचछंदो उचावचरागो।

4) ते सर्व व कासंति एकदेसं व कसंति।

5) विपुले तु पि दाने यस नास्ति सयमे भावसुधिता व कतंत्रता व दठभतिता च निचा बाढं।

किंवा / अथवा

1) देवानंपिये पियदसि लाजा अहा।

2) कयाने दुकले।

3) ए आदिकले कयानसा से दुकलं कलेति।

4) से ममया बहु कयाने कट।

5) ता ममा पुता चा नताले चा पलं चा तेहि ये अपतिये मे आवकपं तथा अनुवटिसंति से सुकट कछंति।

6) ए चु हेता देसं पि हापयिसति से दुकटं कछति।

7) पापे हि नामा सुपदालये।

8) से अतिकंतं अंतलं नो हूतपुलुव धंममहामता नामा।

9) तेदस वसाभिसितेना ममया धंममहामाता कटा।

10) ते सवपासंडेसु वियापटा धंमाधिथानाये चा धंमवठिया हिदसुखाये वा धंमयुतसा योनकंबोजगंधालानं ए वा पि अंने अपलंता।

11) भटमयेसु बंभनिभेसु अनथेसु वुधेसु हिदसुखाये धंमयुताये अपलिबोधाये वियपटा ते।

12) बंधनबधसा पटिविधानाये अपलिबोधाये मोखाये चा एयं अनुबधा पजाव ति वा कटाभिकाले ति वा महालके ति वा वियापटा ते।

13) हिदा बाहिलेसु चा नगलेसु सवेसु ओलोधनेसु भातिनं च ने भगिनिना ए वा पि अंने नातिक्ये सवता वियापटा।

14) ए इयं धंमनिसिते ति वा दानसुयुते ति वा सवता विजितसि ममा धंमयुतसि वियापटा ते धंममहामता।

15) एताये अगये इयं धंमलिपि लेखिता चिलथितिक्या होतु तथा च मे पजा अनुवततु।

2. अशोक शिलालेखांचे ऐतिहासिक महत्त्व स्पष्ट करा. 16
अशोक शिलालेख का ऐतिहासिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

गिरनार शिलालेख बारावा अभिलेख व शाहबाजगढ़ी तेराव्या अभिलेखाच्या आधारे सम्राट अशोक याचे महत्त्वपूर्ण कार्यास विशद करा.

गिरनार शिलालेख बारहवाँ अभिलेख और शाहबाजगढ़ी तेरहवे अभिलेख के आधार से सम्राट अशोक के महत्त्वपूर्ण कार्य को विशद कीजिए।

3. खालीलपैकी कोणत्याही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. 16
निम्नलिखित कोई भी दो सवालों के जवाब लिखिए।

अ) प्रजाहिताकरिता सम्राट अशोकाने केलेल्या कार्याची सविस्तर माहिती 'धौली शिला: प्रथम पृथक अभिलेख' याच्या आधारे स्पष्ट करा.
प्रजाहित के लिए सम्राट अशोक ने किए कार्य की 'धौली शिला: प्रथम पृथक अभिलेख' के आधार से स्पष्ट कीजिए।

ब) सम्राट अशोकाच्या प्रशासन व्यवस्थेला 'जौगड शिला: द्वितीय पृथक अभिलेख' च्या आधारे स्पष्ट करा.
सम्राट अशोक के शासन व्यवस्था को 'जौगड शिला: द्वितीय पृथक अभिलेख' के आधार से स्पष्ट कीजिए।

क) लघु शिलालेख रुपनाथ, वैराट व ब्रम्हगिरि याविषयी सविस्तर माहिती लिहा.
लघु शिलालेख रुपनाथ, वैराट और ब्रम्हगिरी की विस्तार से जानकारी लिखिए।

4. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा कोणतेही दोन. 16
निम्नलिखित सवालों के जवाब लिखिए कोई भी दो।

अ) 'स्तंभ देहली टोपरा: प्रथम आणि द्वितीय अभिलेख' चे महत्त्व सांगा.
'स्तंभ देहली टोपरा: प्रथम और द्वितीय अभिलेख' का महत्त्व बताइए।

ब) 'स्तंभ देहली टोपरा: तृतीय व चतुर्थ अभिलेख' चे महत्त्व सांगा.
'स्तंभ देहली टोपरा: तृतीय व चतुर्थ अभिलेख' का महत्त्व बताइए।

क) 'स्तंभ देहली टोपरा: पंचम अभिलेख' चे महत्त्व सांगा.
'स्तंभ देहली टोपरा: पंचम अभिलेख' का महत्त्व बताइए।

